www.sgbauonline.com

AT–1067

B.Sc. Part–III (Home Science) Semester–VI Examination

TEXTILE AND CLOTHING–6.4

Paper—364TC41

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

N.B. :— (1) Attempt **all** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. Write in short :

1.1 Define drafting method.

1.2 Simple sleeve basic block.

1.3 Adoption method to make design.

1.4 Figure of child's basic block. 8

2. Define fitting problems, what are the reasons for arising fitting problems and how they can be rectified ?

OR

Write in detail about "Renovation of Textiles." 8

3. Tick mark True or False :

3.1 Dart is a type of pleat.

3.2 Dart does not give fitting to the dress.

3.3 Darts are made only in the waist and hip area of the garment.

3.4 Width of standard dart depends on where this is to be made in the garment.

3.5 Functions of basic and decorative darts are same.

3.6 In dress designing knowledge of dart manipulation is very important.

3.7 Dart are made only for ladies garments.

3.8 A type of dart is made to give decoration to the dress. 8

4. Write :

4.1 Kantha of Bengal

4.2 Kasuti of Karnataka

4.3 Phulkari of Punjab

4.4 Applique work of Gurajat. 8

5. What is the importance of Traditional textiles ? Write about Patola, Himru and Amru, Paithni and Kinkhwab.

OR

Discuss about various regional costumes of India. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AT–1067

B.Sc. Part–III (Home Science) Semester–VI Examination
TEXTILE AND CLOTHING–6.4
Paper—364TC41

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) **सर्व** प्रश्न सोडवा.
(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. लिहा :
   1.1 आकृतिवर्णन पद्धत ची व्याख्या.
   1.2 साधीबांहयांचे मूलभूत नमुना.
   1.3 डिजायन बनविण्याचे रुपानतरण पद्धति.
   1.4 बालकचे मूलभूत नमुन्या ची आकृति. 8
2. फिटिंग समस्या परिभाषित करा, फिटिंग समस्या निर्माण होण्याचे कारण व ते कसे दूर करता येतील या बद्दल लिहा.

   किंवा

   'वस्त्रांचे नूतनीकरण' या विषयावर सविस्तर लिहा. 8
3. चूक किंवा बरोबर टिक मार्क करा
   3.1 डार्ट एक प्लीट चा प्रकार आहे.
   3.2 डार्ट मुळे ड्रेस ला फिटिंग प्राप्त होत नसते
   3.3 डार्ट ड्रेस मधे फक्त कंबर आणि सीट चा भानात बनवितात.
   3.4 एका स्टैण्डर्ड डार्ट ची रूंदी यावर निर्भर करते कि ती ड्रेस मधे कुठल्या स्थानावर बनवली जाणार आहे.
   3.5 मूलभूत आणि सजावटी डार्ट चे कार्य सारखेच असतात.
   3.6 ड्रेस डिजायनिंग मधे डार्ट परिवर्तन पद्धति चे ज्ञान आवश्यक आहे.
   3.7 डार्ट फक्त महिलांच्या परीधानावर बनवितात.
   3.8 एका प्रकारा ची डार्ट अशी आहे ज्याच्या मुळे पोषाखात सुन्दरता निर्माण करता येते. 8
4. लिहा :
   4.1 बंगाल चा कांथा.
   4.2 कर्नाटक ची कसूती
   4.3 पंजाब ची फुलकारी
   4.4 गुजरात चे एप्लीक वर्क. 8
5. पारंपरिक वस्त्रांचे काय महत्व आहे ? पटोला, हिमरू व अमरू, पैठणी आणि किंरव्वाब या वस्त्रांवर सविस्तर लिहा.

   किंवा

   वेगवेगळया प्रादेशिक पोषाखांबद्दल सविस्तर चर्चा करा. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AT–1067

B.Sc. Part–III (Home Science) Semester–VI Examination
TEXTILE AND CLOTHING–6.4
Paper—364TC41

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. लिखें :
   1.1 आकृति वर्णन पद्धति की व्याख्या ।
   1.2 बांह का मूलभूत नमुना ।
   1.3 डिजाइन बनाने के लिये ब्लाक की रूपान्तरण पद्धति ।
   1.4 बच्चे के बेसिक ब्लाक की आकृति । 8

2. फिटिंग समस्या की व्याख्या कीजिये, फिटिंग समस्या निर्माण होने के कारण व उन्हें दूर करने के उपाय बतायें ।

अथवा

"वस्त्रों का नवीनीकरण" इस विषय पर विस्तार से लिखिये । : 8

3. सही या गलत पर टिक मार्क करें :
   3.1 डार्ट एक प्लीट का प्रकार है ।
   3.2 डार्ट के द्वारा 'ड्रैस को फिटिंग प्राप्त नहीं' होती है ।
   3.3 डार्ट वस्त्र में केवल कमर एवं हिप भागों पर बनाई जाती है ।
   3.4 एक स्टैण्डर्ड डार्ट की चौड़ाई इस पर निर्भर करती है कि डार्ट कहां बनाई जा रही है ।
   3.5 मूलभूत व सजावटी डार्ट के कार्य एक समान हैं ।
   3.6 ड्रैस डिजायनिंग में डार्ट परिवर्तन का ज्ञान होना आवश्यक है ।
   3.7 डार्ट सिर्फ महिलाओं के वस्त्रों में बनायी जाती है ।
   3.8 एक प्रकार की डार्ट वस्त्र में सजावट करने के लिये भी बनाई जाती है । 8

4. लिखें :
   4.1 बंगाल का कांथा.
   4.2 कर्नाटक की कसूती
   4.3 पंजाब की फुलकारी
   4.4 गुजरात का एप्लीक वर्क. 8

5. पारंपरिक वस्त्रों का महत्व क्यों है । पटोला, हिमरू व अमरू, पेठणी और किंमख्वाब वस्त्रों के बारे में विस्तार से लिखें ।

अथवा

अलग अलग प्रादेशिक पोषाखों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा करें । 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com